नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 281
दि. 12.02.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर पीएम मोदी पर राहुल गांधी के आरोप गलत हैं : भाजपा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ राहुल गांधी के आरोपों को "हास्यास्पद रूप से गलत" बताकर खारिज किया

नई दिल्ली, (जीएनएस)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ राहुल गांधी के आरोपों को "हास्यास्पद रूप से गलत" बताकर खारिज करते हुए कहा कि लोकसभा में बोलते समय नेता प्रतिपक्ष ने "सड़क छाप भाषा" का इस्तेमाल कर संसदीय मयार्दा को निम्न स्तर पर पहुंचा दिया। भाजपा की टिप्पणी तब आई जब गांधी ने सदन में केंद्रीय बजट पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए मोदी पर तीखा हमला किया और आरोप लगाया कि सरकार ने इस व्यापार समझौते के जरिए "भारत माता को बेच दिया" है और यह "पूरी तरह से आत्मसमर्पण" है, जिसमें भारत की ऊर्जा सुरक्षा अमेरिका को सौंप दी गई है व किसानों के हितों से समझौता किया गया है।

गांधी ने कहा कि उन्हें विश्वास नहीं है कि मोदी समेत कोई भी भारतीय प्रधानमंत्री इस तरह के समझौते पर सहमत होगा जब तक कि उस पर "दबाव" न डाला जाए। गांधी की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना करते हुए भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल बलूनी ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर कांग्रेस नेता के दावे "हास्यास्पद रूप से असत्य एवं गलत" हैं। बलूनी ने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, "राहुल गांधी ने एक बार फिर सच्चाई की जगह नाटक का चयन किया है, सदन और देश दोनों को गुमराह कर रहे हैं।" उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा में बजट पर चर्चा के दौरान गांधी ने न केवल दस्तावेज की आलोचना की, बल्कि उसे "गलत तरीके से उद्धृत किया और पढ़ा" तथा फिर "उस विकृति के आधार पर अपना तर्क खड़ा किया"।

भाजपा सांसद ने कहा, "राहुल गांधी का दावा एक ऐसे दस्तावेज पर आधारित है जो अब वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करता। वह अमेरिका सरकार के एक पुराने तथ्यपत्र का हवाला दे रहे हैं जिसमें भारत द्वारा प्रस्तावित 500 अरब अमेरिकी डॉलर की खरीद को एक प्रतिबद्धता के रूप में प्रस्तुत किया गया था। उस भाषा को बाद में संशोधित कर दिया गया है।" बलूनी ने कहा, "अद्यतन स्थिति स्पष्ट है: भारत ने आने वाले वर्षों में 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक की वस्तुओं की खरीद का इरादा व्यक्त किया है, यह बाध्यकारी दायित्व नहीं है।"

इसके पहले भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने गांधी के

आरोपों को "बेबुनियाद" बताकर खारिज करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता ने सदन में बोलते समय "सड़क छाप भाषा" और "सड़क छाप आचरण" का इस्तेमाल करके संसदीय मयार्दा एवं राजनीति को निम्न तर स्तर पर पहुंचा दिया। उन्होंने राहुल गांधी की टिप्पणियों की निंदा करते हुए यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "अगर महाराजा जेम्स प्रथम ईसाई जगत के सबसे बुद्धिमान मूर्ख थे, तो हम कह सकते हैं कि राहुल गांधी कांग्रेस के सबसे बुद्धिमान मूर्ख हैं।" भाजपा के राज्यसभा सदस्य त्रिवेदी ने कहा, "उन्होंने आरोप लगाया कि देश को बेच दिया गया। मुझे लगता है कि अगर उन्हें कूटनीति और आर्थिक नीतियों की थोड़ी भी समझ होती, तो वे ऐसे निराधार आरोप नहीं लगाते।"

भारतीय डेटा को अमेरिका को बेचे जाने के गांधी के दावे को खारिज करते हुए बलूनी ने कहा कि बजट, जिसमें 2047 तक भारत में डेटा सेंटर स्थापित करने वाली कंपनियों को कर में छूट देने का प्रस्ताव है, भारत के डेटा का स्थानीयकरण करने के लक्ष्य को और आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा, "भारत में अधिक डेटा सेंटर होने से हमारी आईटी कंपनियां पश्चिमी देशों के ग्राहकों को क्लाउड और अन्य एआई समाधान प्रदान कर सकेंगी। भारत में अधिक डेटा सेंटर का मतलब हमारी आईटी कंपनियों के लिए अधिक अवसर हैं। इससे दीर्घावधि में डेटा स्थानीयकरण सुनिश्चित होगा। 1.4 अरब भारतीयों का डेटा भारत में ही रहेगा।" बलूनी ने कहा कि गांधी का यह दावा भी गलत है कि बजट में वैश्विक अस्थिरता के दौर में भारत की आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने के लिए कोई प्रस्ताव या योजना शामिल नहीं है। उन्होंने कहा, "बजट दस्तावेज में दुर्लभ खनिजों का प्रस्ताव, मूल्य श्रृंखला के सभी स्तरों पर केंद्रित एक नया सेमीकंडक्टर मिशन और ओडिशा, आंध्र प्रदेश, केरल और तमिलनाडु से गुजरने वाले कई महत्वपूर्ण खनिज गलियारे शामिल हैं।"

भाजपा के मुख्य प्रवक्ता ने गांधी के इस दावे को भी खारिज किया कि भारत डिजिटल सेवा कर हटा देगा और दालों के आयात की अनुमति देकर कृषि क्षेत्र को खोल रहा है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष अमेरिका सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए "तथ्यपत्र के पुराने संस्करण" का हवाला दे रहे हैं। उन्होंने कहा, "समझौते में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भारत और अमेरिका के बीच डिजिटल नियमों के एक नए सेट पर बातचीत की जाएगी।" बलूनी ने कहा कि अमेरिका सरकार के 'अद्यतन' तथ्यपत्र में दालों का कोई उल्लेख नहीं है। उन्होंने कहा, "भारत प्रतिवर्ष दो अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य की दालें आयात करता है। वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 2.6 अरब अमेरिकी डॉलर था। कपास की बात करें तो, अमेरिका आयातकों में से एक है, ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया से कहीं अधिक मात्रा में कपास आयात किया जाता है, लेकिन कुल मिलाकर, हम जितना कपास आयात करते हैं वह भारत में उत्पादित कपास का मात्र 1/10वां हिस्सा है।"

बलूनी ने कहा कि गांधी का यह दावा कि भारत ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा से समझौता किया है, तथ्यों के आधार पर सही नहीं ठहरता। बलूनी ने गांधी के इस दावे को भी "गलत और अपूर्ण आकलन" बताते हुए खारिज किया कि अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया गया शुल्क तीन प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा, "आज भारत पर 18 प्रतिशत शुल्क लगाया जा रहा है, लेकिन यह व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिए जाने से पहले की स्थिति है।" बलूनी ने कहा कि भारत से अमेरिका को होने वाले लगभग 45 प्रतिशत निर्यात, जिनमें दवाइयां, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और रत्न सहित अन्य वस्तुएं शामिल हैं, पर 'बहुत कम शुल्क, यहां तक कि शून्य प्रतिशत' लगाया जाएगा। उन्होंने कहा, "इसलिए एक बार समझौते के अंतिम रूप ले लेने के बाद भारतीय वस्तुओं पर प्रभावी औसत शुल्क में और कमी आने की उम्मीद है।"

राज ठाकरे प्रधानमंत्री मोदी से बहुत डरे हुए हैं: कोश्यारी

मुंबई, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे के यह दावा करने के एक दिन बाद कि

विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां मोदी सरकार के भय से ही यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक कार्यक्रम में शामिल हुईं, राज्य के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने बुधवार को कहा कि ठाकरे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से 'बहुत डरे हुए' हैं।

सप्ताहांत में आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत के संवादात्मक सत्र में सलमान खान, रणबीर कपूर और करण जौहर सहित बॉलीवुड की कई हस्तियों के साथ ही कुछ सेवारत भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी भी मौजूद रहे थे।

ठाकरे की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कोश्यारी ने नासिक में पत्रकारों से कहा, "मुझे नहीं लगता कि वे (प्रमुख हस्तियां) डर के कारण आए। राज ठाकरे मोदी से बहुत डरे हुए हैं।"

पीएम मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि, बोले- वे हर पीढ़ी के लिए पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे

पीएम मोदी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि, बोले- वे हर पीढ़ी के लिए पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे

नई दिल्ली, (जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। पीएम मोदी ने कहा कि मूल्यों पर आधारित पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सिद्धांत और विचार देश की हर पीढ़ी के लिए पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मातृभूमि के अनन्य उपासक पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी पुण्यतिथि पर सादर नमन। मूल्यों पर आधारित उनके सिद्धांत और विचार देश की हर पीढ़ी के लिए पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे।'

एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, 'सर्वस्व समर्पण उस चेतना की अभिव्यक्ति है, जिसमें राष्ट्र और मानवता सर्वोपरि होती है। अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने भी इसी भावना से देश के जन-जन को सशक्त बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।'

इसके साथ ही, प्रधानमंत्री मोदी ने सुभाषित भी शेयर किया है। उन्होंने संस्कृति श्लोक पोस्ट किया है, जिसमें लिखा, 'यस्येमे हिमवन्तो महित्वा यस्य समुद्रं रसया सहाहुः। यस्येमाः प्रदिशो यस्य बाहू कस्मै देवाय हविषा विधेम॥' इस संस्कृति सुभाषित का अर्थ है, 'जिस राष्ट्र की महिमा का गान हिमालय करता है, जिसकी कीर्ति नदियों के साथ समुद्र तक प्रवाहित होती है और जिसकी भुजाओं के समान दिशाएं उसे नमन करती हैं, उस राष्ट्र को हम अपना सर्वस्व समर्पित करें।'

डिप्टी सेक्रेटरी नीरज सचान बने संयुक्त सचिव

लखनऊ, उत्तर प्रदेश विधानसभा में कार्यरत डिप्टी सेक्रेटरी श्री नीरज सचान को पदोन्नति प्रदान करते हुए संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। इस संबंध में सूचना मिलते ही विधानसभा के गलियारों में खुशी का माहौल छा गया तथा अधिकारियों, कर्मचारियों और शुभचिंतकों द्वारा उन्हें बधाइयाँ दी जाने लगीं।

श्री सचान लंबे समय से विधानसभा की प्रशासनिक एवं संसदीय व्यवस्था से जुड़े रहे हैं। उनकी कार्यकुशलता, निष्ठा एवं व्यापक अनुभव को देखते हुए यह पदोन्नति महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

पीएम मोदी ने कैसे ट्रंप के आगे किया सरेंडर, राहुल गांधी ने बताया सच, सबूत होने का किया दावा!

बजट सत्र में राहुल गांधी सरकार पर आक्रामक है। पहले पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की किताब और अब एपस्टीन फाइल को लेकर वो मोदी सरकार को टारगेट कर रहे हैं। ऐसे में अब ये देखना होगा कि सरकार राहुल गांधी के आरोपों को कैसे डिफेंड करती है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का दावा है कि पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आगे सरेंडर कर दिया है। बाकायदा उन्होंने इसके सबूत देने की भी बात कही है। संसद के बाहर ही नहीं, लोकसभा के अंदर भी राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर देश को बेचने का आरोप लगाया। राहुल गांधी के आरोपों पर भाजपा भड़क गई। केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, पीयूष गोयल और अश्विनी वैष्णव ने राहुल गांधी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। रिजिजू ने ट्रेड डील को बकवास कदम बताने वाले राहुल के बयान पर एतराज जताया और मांग की कि हाउस की कार्यवाही से असंसदीय भाषा को हटाया जाए। वहीं, अश्विनी वैष्णव ने दावा किया कि भारत का डेटा पूरी तरह सुरक्षित है। कुल मिलाकर, ये साफ है कि बजट सत्र में राहुल गांधी सरकार पर आक्रामक है। पहले पूर्व सेना प्रमुख नरवणे की किताब और अब एपस्टीन फाइल को लेकर वो मोदी सरकार को टारगेट कर रहे हैं। ऐसे में अब ये देखना होगा कि सरकार राहुल गांधी के आरोपों को कैसे डिफेंड करती है।

'बाहर डार्लिंग और इधर टाइम नहीं देते', कल्याण बनर्जी ने किससे कही ये बात? लोट-पोट हुई अक्सर गम्भीर रहने वाली संसद

नई दिल्ली, (जीएनएस)। संसद की कार्यवाही अक्सर तीखी नोकझोंक और गंभीर बहसों के लिए जानी जाती है, लेकिन बजट सत्र के दौरान लोकसभा में एक ऐसा पल आया जिसने हर किसी को ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया। सत्ता और विपक्ष के बीच चल रहे वार-पलटवार के बीच टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने अपनी हाजिरजवाबी से माहौल को पूरी तरह हल्का कर दिया।

उन्होंने सदन की कुर्सी पर बैठे जगदंबिका पाल के लिए जिस अंदाज में 'शिकायत' की, उसका वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया है। आइए, जानते हैं लोकतंत्र के मंदिर में हुए इस मजेदार वाकये की पूरी कहानी।

लोकसभा में बजट पर चर्चा चल रही थी और माहौल काफी गरमागरम था। इसी दौरान टीएमसी के वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी अपनी बात रखने के लिए खड़े हुए। चेयर पर उस वक्त जगदंबिका पाल आसीन थे। कल्याण बनर्जी ने अपनी बात शुरू करने के बजाय सीधे स्पीकर से एक मीठी शिकायत कर दी। उन्होंने चुटीले अंदाज में कहा कि आप बाहर तो हमें 'डार्लिंग' कहकर बुलाते हैं, लेकिन यहां सदन के अंदर बोलने का समय ही नहीं देते।

सांसदों के छूटे ठहाके

कल्याण बनर्जी के मुंह से यह बात निकलते ही सदन का नजारा बदल गया। जो सांसद कुछ देर पहले एक-दूसरे पर चिल्ला रहे थे, वे अपनी हंसी नहीं रोक पाए। विपक्षी खेमे के साथ-साथ सत्ता पक्ष की बेंचों पर बैठे नेता भी लोटपोट होने लगे। खुद जगदंबिका पाल भी इस मजाकिया टिप्पणी पर मुस्कुराए बिना नहीं रह सके। संसद की गंभीर मयार्दा के बीच यह पल एक ताजी हवा के झोंके की तरह आया।

यह पहली बार नहीं है जब कल्याण बनर्जी ने संसद में इस तरह का मनोरंजन किया हो। ममता बनर्जी की पार्टी के यह सांसद अपने खास लहजे और 'मिमिक्री' के लिए भी जाने जाते हैं। राजनीतिक रूप से वे भले ही कड़े तेवर अपनाते हों, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर सदन के कई वरिष्ठ सदस्यों के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। उनका यही अंदाज उन्हें सोशल मीडिया पर भी अक्सर चर्चा का विषय बना देता है।

जैसे ही यह मजेदार वाक्या प्रसारित हुआ, सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे हाथों-हाथ लिया। एक्स और फेसबुक पर 'बाहर डार्लिंग, अंदर नो टाइम' वाले इस क्लिप को लाखों बार देखा जा चुका है।

बांग्लादेश : 12 फरवरी को जनता लोकतंत्र चुनेगी या कट्टरपंथ?

(एजेंसी)।

हिंसा, विद्रोह और सत्ता परिवर्तन के 18 महीने बाद बांग्लादेश फिर एक ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। जुलाई-अगस्त 2024 की 'छात्र क्रांति' ने जिस राजनीतिक भूचाल को जन्म दिया था, उसका निर्णायक पड़ाव अब 12 फरवरी के चुनाव में दिखेगा। यह सिर्फ सत्ता चुनने का दिन नहीं है, बल्कि यह तय करने का क्षण है कि बांग्लादेश लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती की ओर लौटेगा या कट्टरपंथी राजनीति उसकी दिशा तय करेगी। भारत के इस अहम पड़ोसी देश में हो रहा यह चुनाव पूरे दक्षिण एशिया के लिए भी मायने रखता है।

यह 13वां संसदीय चुनाव है, लेकिन इसकी अहमियत इसलिए अधिक है क्योंकि यह शेख हसीना की 15 साल पुरानी सरकार के पतन के बाद पहला आम चुनाव है। अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन ने सत्ता परिवर्तन की पटकथा लिखी थी। व्यापक हिंसा में 1,400 से अधिक लोगों की मौत हुई और देश महीनों तक अस्थिरता से जूझता रहा। अब यह चुनाव तय करेगा कि बांग्लादेश राजनीतिक स्थिरता की ओर लौटेगा या अस्थिरता और ध्रुवीकरण जारी रहेगा।

कैसे होता है चुनाव

अप्रैल 2024 के चुनाव के बाद हालात तेजी से बदले। अगस्त में बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन हुए और अंततः शेख हसीना को पद छोड़कर भारत जाना पड़ा। इसके बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनी, जिसे विपक्ष ने "दूसरी आजादी" बताया।

हालांकि, इसके बाद भी राजनीतिक हिंसा, मॉब लिंचिंग और धार्मिक कट्टरता की घटनाएँ बढ़ती रहीं। 'ऑपरेशन डेविल हंट' जैसे अभियानों में आवामी लीग से जुड़े हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति कैसी रही?

अल्पसंख्यक समुदाय, विशेषकर हिंदू समाज, पर हिंसा की घटनाओं ने चिंता बढ़ाई है। अल्पसंख्यक संगठनों के अनुसार अगस्त 2024 से 2025 के बीच सांप्रदायिक हिंसा में कम से कम 61 हिंदुओं की मौत हुई और 2,000 से अधिक हमले दर्ज किए गए। महिलाओं और धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर भी दबाव बढ़ा है।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ने किया लखनऊ में बंधन बैंक की नई शाखा का उद्घाटन

*** उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने आशियाना, लखनऊ में बंधन बैंक की नई शाखा का उद्घाटन किया**

*** बैंक ने विवेकानंद पॉलीक्लिनिक एंड इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ को एक उन्नत लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस दान किया**

*** बैंक ने सीएसआर के तहत पूरे भारत में 18 उन्नत लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस दान किये हैं**

लखनऊ, 11 फरवरी, 2026: बंधन बैंक ने आज आशियाना, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में अपनी नई शाखा खोलने की घोषणा की। इस शाखा का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के माननीय उप मुख्यमंत्री, श्री ब्रजेश पाठक ने बंधन बैंक के कार्यकारी निदेशक और सीबीओ, श्री राजिंदर कुमार बब्बर और रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम तथा विवेकानंद पॉलीक्लिनिक एंड इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ के सचिव, स्वामी मुक्तिनाथानंद की मौजूदगी में किया। इस मौके पर बंधन बैंक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

बैंक ने नई शाखा के उद्घाटन के अलावा, अपने सीएसआर पहल के तहत विवेकानंद पॉलीक्लिनिक एंड इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश को एक उन्नत लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस दान किया। एम्बुलेंस को उत्तर प्रदेश के माननीय उप मुख्यमंत्री, श्री ब्रजेश पाठक और बंधन बैंक के कार्यकारी निदेशक और सीबीओ, श्री राजिंदर कुमार बब्बर ने स्वामी मुक्तिनाथानंद, सचिव, रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम और विवेकानंद पॉलीक्लिनिक एंड इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ को सौंपा।

शाखा नेटवर्क के विस्तार से स्पष्ट है कि बैंक विविधीकरण और अपनी राष्ट्रीय स्तर पर उपस्थिति बढ़ाने पर जोर दे रहा है। आशियाना, लखनऊ में नई शाखा के उद्घाटन से बैंक अपने ग्राहकों की अलग-अलग वित्तीय जरूरतें बेहतर तरीके से पूरी कर पाएगा। बैंक इस विस्तार के साथ ग्राहकों के लिए नवोन्मेषी बैंकिंग समाधानों की उपलब्धता बढ़ा रहा है। बैंक इस लॉन्च के साथ, अब उत्तर प्रदेश में 560 बैंकिंग शाखाओं के मजबूत नेटवर्क का परिचालन करता है, जो 32 लाख से ज्यादा ग्राहकों और पूरे भारत में 6,490 से ज्यादा बैंकिंग शाखाओं को सेवा प्रदान करता है।

बंधन बैंक के कार्यकारी निदेशक और सीबीओ, श्री राजिंदर कुमार बब्बर ने कहा, 'हम ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए उत्पादों और सेवाओं में बदलाव कर उन्हें बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी प्रतिबद्धता के तहत, हमें आशियाना, लखनऊ में नई शाखा खोलने की घोषणा करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है। आने वाले दिनों में वृद्धि दर्ज करते हुए, हम सतत विकास और बदलती उम्मीदों को पूरा करने वाले नवोन्मेषी, लचीले समाधान प्रदान करने पर ध्यान दे रहे हैं। इसके अलावा, अपनी कॉर्पोरेट सामजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) से जुड़ी पहलों के जरिए, हम आपात चिकित्सा व्यवस्था बढ़ाना और विभिन्न समुदायों को सेवा प्रदान करने वाले अस्पतालों को समर्थन प्रदान करना चाहते हैं। इस पहल के साथ, हम लोगों की ज़िंदगी में बदलाव लाना चाहते हैं, साथ ही यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि सबसे अधिक जरूरत के समय चिकित्सा उपलब्ध हो।'

बैंक ने अपनी 10वीं सालगिरह के जश्न के उपलक्ष्य के तौर पर, विभिन्न समुदायों के लिए आपात चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने और स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने के लिए पूरे भारत में कुल 18 उन्नत लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस दान की है। यह पहल स्वास्थ्य सेवा की पहुंच और चिकित्सा हासिल करने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को दिखाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि आपात स्थिति में मरीजों को समय पर चिकित्सा मिले।ये एम्बुलेंस देश भर के जाने-माने मेडिकल संस्थानों और स्वास्थ्य संगठनों को दान की गई हैं, जिनमें दिल्ली, बेंगलुरु, अहमदाबाद, कोलकाता, हैदराबाद, कटक, वडोदरा, जयपुर, मथुरा, जालंधर, अहमदनगर, पूर्व मेदिनीपुर, मुर्शिदाबाद, सूरत और सिकंदराबाद के संस्थान और संगठन शामिल हैं। कई राज्यों में स्वास्थ्य से जुड़े ढांचे को बेहतर बनाकर और अस्पतालों की मदद कर, बैंक अपेक्षाकृत अधिक मजबूत, स्वस्थ और प्रतिकूल परिस्थितियों को झेल जाने वाले समुदाय के निर्माण में योगदान दे रहा है।

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के कार्यालय में 'बजट चर्चा' का हुआ आयोजन

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल एवं प्रदेश के व्यापारियो ने प्रदेश सरकार के बजट की सराहना की,

व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा वित्त मंत्री ने सभी सेक्टर को छूने की कोशिश की

प्रदेश सरकार के बजट से प्रदेश के उद्योग एवं व्यापार जगत को परोक्ष एवं अपरोक्ष रूप से मिलेगी गति : संजय गुप्ता

व्यापारी बोले :- मध्यम, सूक्ष्म एवं लघु उद्योग को 3822 करोड़ रुपये के प्रस्तावित फंड मिलने एवं पावरलूम बुनकर, वस्तु एवं गार्मेंटिंग, खादी एवं ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने से व्यापारियों को होगा लाभः संजय गुप्ता

लखनऊ में कुकरैल नाइट सफारी बनने से लखनऊ में व्यापार बढ़ेगा , लखनऊ का होगा विकास : संजय गुप्ता

लखनऊ- फरवरी, बुधवार ,उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के अयोध्या रोड स्थित प्रदेश कार्यालय में "बजट चर्चा" कार्यक्रम का आयोजन हुआ प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री द्वारा पेश किए जा रहे बजट का सजीव प्रसारण देखते हुए व्यापारियों ने बजट चर्चा कार्यक्रम में पेश किए गए बजट पर विस्तृत चर्चा की

बजट चर्चा कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ,प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल, नगर अध्यक्ष हरजिंदर सिंह ,वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, उपाध्यक्ष दीपक सिंह चौहान, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्याय गुरप्रीत सिंह चड्ढा, प्रदेश उपाध्यक्ष आसिफ किदवई, नगर महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती अनिला अग्रवाल, नगर उपाध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ,राजेश गुप्ता, प्रवीण मिश्रा सहित कई प्रमुख पदाधिकारी शामिल रहे व्यापारियो ने प्रदेश सरकार के बजट की सराहना की,

व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा वित्त मंत्री ने सभी सेक्टर को छूने की कोशिश की तथा इस बजट के माध्यम से प्रदेश का चौमुखी विकास होगा तथा व्यापारियों एवं उद्योगों को भी लाभ होगा उन्होंने कहा धार्मिक पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलने से प्रदेश के कई जिलों के व्यापारियों को सीधा लाभ होगा तथा लोगों की क्रय क्षमता बढ़ेगी जिससे बाजार में आर्थिक गति को बल मिलेगा प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने बचत चर्चा के दौरान कहा

केंद्र सरकार ने व्यापारियों को भी एमएसएमई की परिभाषा में शामिल कर लिया है अतः एमएसएमई सेक्टर को 3822 करोड रुपए के प्रस्तावित फंड का लाभ मिलेगा उन्होंने कहा प्रदेश सरकार के बजट से प्रदेश के उद्योग एवं व्यापार जगत को परोक्ष एवं अपरोक्ष रूप से गति मिलेगी पावरलूम बुनकर, वस्तु एवं गार्मेंटिंग, खादी एवं ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने से व्यापारियों को लाभ होगा बजट चर्चा के दौरान सभी पदाधिकारियों ने लखनऊ में कुकरैल नाइट सफारी बनाने की योजना का स्वागत किया व्यापारियों ने कहा इससे लखनऊ में पर्यटकों की संख्या में गुणात्मक वृद्धि होगी जिससे लखनऊ के व्यापारियों का व्यापार बढ़ेगा तथा लखनऊ का और अधिक विकास होगा संजय गुप्ता ने सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत बालिकाओं के विवाह के लिए 50000 से बढ़कर ₹100000 सहयोग राशि करने पर भी संतोष जताया तथा रोजगार एवं बुनियादी ढांचे पर तथा ऊर्जा के क्षेत्र में तथा कृषि योजनाओं को बढ़ावा देने को भी व्यापार एवं उद्योग से जोड़ते हुए इसे सकारात्मक बताया साथ ही साथ व्यापारियों ने औद्योगिक क्षेत्र को प्रोत्साहन देने एवं डिफेंस कॉरिडोर के लिए 2000 करोड रुपए के प्रावधान पर भी संतोष जाहिर करते हुए व्यापार एवं उद्योग से जोड़ते हुए इसे व्यापारियों के लिए लाभकारी बताया

गतिशील नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की तेज गति और स्थिर वृद्धि देखकर अत्यंत हर्ष

डॉ. उपासना अरोड़ा, चेयरपर्सन, सीआईआई उत्तर प्रदेश राज्य & मैनेजिंग डायरेक्टर, यशोदा सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल्स प्राइवेट लिमिटेड।

माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के गतिशील नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की तेज गति और स्थिर वृद्धि देखकर अत्यंत हर्ष हो रहा है, क्योंकि यह बजट उत्तर प्रदेश के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा 9 लाख करोड़ से अधिक का बजट है, जो पिछले आवंटन से 12.2 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है। यह मील का पत्थर बजट सरकार को लोगों के सतत एवं समावेशी विकास को सुनिश्चित करने के साथ-साथ महिलाओं, युवाओं, किसानों एवं गरीब वर्गों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में सक्षम बनाएगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए अकेले 46 हजार करोड़ से अधिक का बजट आवंटन एवं 14 नए मेडिकल कॉलेजों की घोषणा स्वास्थ्य अवसंरचना को और मजबूत करेगा तथा लोगों पर चिकित्सा बोझ को कम करेगा। कैंसर एवं डायबिटीज की दवाओं पर मूल्य में कमी से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

अभिषेक सर्राफ

उपाध्यक्ष, सीआईआई उत्तर प्रदेश & मैनेजिंग डायरेक्टर, अवध रेल इंफ्रा लिमिटेड

यह बजट विकसित भारत झ 2047 की नींव को और मजबूत करने वाला है। सड़कों, रेलवे, राजमार्गों एवं एक्सप्रेस-वे जैसी अवसंरचना पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए, राज्य ने उद्योग के लिए अवसरों का द्वार खोल दिया है, विशेष रूप से राज्य के आर्थिक विकास एवं युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने पर जोर देते हुए। यह अभूतपूर्व बजट सरकार को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करने में सहायक होगा।

श्रीमती स्मिता अग्रवाल,

पूर्व चेयरपर्सन, सीआईआई - यू0पी एवं निदेशक एवं सीएफओ, पीटीसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड

उत्तर प्रदेश के बजट 2026-27 में एम.एस.एम.ई. क्षेत्र के लिए ₹3,822 करोड़ का आवंटन एक बहुत महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि एमएसएमई न केवल राज्य का सबसे बड़ा रोजगार प्रदान करने वाला क्षेत्र हैं, बल्कि स्थानीय औद्योगीकरण और उद्यमिता का महत्वपूर्ण इंजन भी हैं। इस बढ़े हुए आवंटन के साथ—जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत अधिक है—राज्य का उद्देश्य ऋण पहुंच (credit access) को विस्तृत करना, क्लस्टर विकास, कौशल संपर्क और मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान जैसी योजनाओं के लिए समर्थन प्रदान करना है।

श्री जय अग्रवाल

पूर्व अध्यक्ष - सी.आई.आई. - यू0पी तथा निदेशक - सी.पी. मिल्क एंड फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड

मुख्यमंत्री औद्योगिक क्षेत्र के विस्तार के साथ-साथ नये औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना तथा मौजूदा बुनियादी ढांचे और औद्योगिक योजनाओं को मजबूत करने के लिए लगभग 27,000 करोड़ के बजटीय आवंटन एक प्रशंसनीय कदम है। यह न केवल राज्य में निवेश आकर्षित करेगा, बल्कि उत्तर प्रदेश के आर्थिक परिदृश्य को भी मजबूत बनाएगा। मुख्यमंत्री उद्यमी विकास अभियान के तहत प्रतिवर्ष 1 लाख सूक्ष्म उद्यमों को जोड़ने के उद्देश्य से 1,000 करोड़ का आवंटन भी उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक सराहनीय कदम है।

श्री आकाश गोयनका

पूर्व अध्यक्ष, सीआईआई - यू0पी एवं निदेशक, गोल्डी ग्रुप

उत्तर प्रदेश बजट 2026-27 में कानपुर, मेरठ और आगरा के विकास के लिए विशेष रूप से ₹720 करोड़ का आवंटन इन महत्वपूर्ण औद्योगिक केंद्रों में एक रणनीतिक और अत्यंत आवश्यक निवेश का प्रतीक है। बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर को और सुदृढ़ करने के साथ ही, यह आवंटन कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा—जो कानपुर के चमड़ा और कपड़ा क्लस्टर, मेरठ के खेल वस्तुओं और विनिर्माण, तथा आगरा की हस्तशिल्प और आतिथ्य से जुड़ी पर्यटन-चालित अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है।

कल्लू-सुल्तान जमीन के सौदे से लेकर धर्म परिवर्तन तक की होम डिलीवरी!

रियल एस्टेट, जहाँ प्लॉट के साथ धमकियाँ मुफ्त मिलती हैं!

लखनऊ। नवाबों का शहर अपनी तहजीब के लिए मशहूर पर आज की तहजीब का नया चेहरा देखिए, जो वजीरगंज थाने की चौखट पर एक शिकायत के रूप में खड़ा है। पिंकी बदला हुआ नाम जो बेचारी खुद को रियल एस्टेट एजेंट समझती थी, उसे शायद ये नहीं पता था कि यहाँ जमीन के सौदे सिर्फ कागजों पर नहीं, बल्कि धर्म और जान की बाजी लगाकर होते हैं। पिंकी की गलती बस इतनी थी कि उसने कुछ सम्मानित ग्राहकों शहबान अहमद उर्फ कल्लू और सुल्तान अहमद, को प्लॉट दिखाने की जुर्रत की।

आम तौर पर बिजनेस में बात न बने तो लोग हाथ मिला कर आगे बढ़ जाते हैं, पर यहाँ तो पहुँचे हुए कलाकार निकले। जब पिंकी ने उनके नेक इरादों को भांपकर किनारा कर लिया, तो उन्होंने इसे अपनी शान में गुस्ताखी मान ली। पीछा करने का ऐसा जुनून कि मटियारी से लेकर सिविल कोर्ट तक के रास्तों को अपनी जागीर समझ लिया।

हद तो तब हो गई जब 31 जनवरी को न्याय के मंदिर सिविल कोर्ट के ठीक बाहर इन महानुभावों ने अपना असली एजेंडा खोला। वहां न कानून का डर था, न वर्दी का खौफ। बीच सड़क पर उन्होंने पिंकी को मुफ्त मशविरा दे डाला, धर्म बदलो और समाज में आओ। जैसे कोई क्लब की मेंबरशिप ऑफर कर रहे हों! वरना रेप करेंगे और पति को मार डालेंगे। वाह! क्या गजब की मार्केटिंग है। जमीन नहीं खरीदी, तो ज़िंदगी ही छीन लेने का कॉन्ट्रैक्ट साइन करने पहुँच गए।

शिकायत के मुताबिक ये महाशय कोई नौसिखिए नहीं हैं। इनके नाम पर गैंगरेप और लूट जैसे तमगे पहले से चिनहट थाने में दर्ज हैं। पर देखिए, हमारे सिस्टम की मेहरबानी कि ऐसे हुनहार लोग खुलेआम सड़कों पर घूम कर महिलाओं को जातिसूचक गालियाँ दे रहे हैं और उन्हें सही रास्ता दिखाने का दावा कर रहे हैं।

पिंकी आज डरी हुई है, सहमी हुई है। वह एक अनुसूचित जाति की महिला है जो मेहनत कर अपना घर चलाना चाहती थी। लेकिन अब सवाल यह है कि लखनऊ की पुलिस इन वीरों को सलाखों के पीछे भेजती है या फिर से किसी नई पिंकी के साथ ऐसी ही घटना होने का इंतजार करती है?

नसीहत लखनऊ में प्लॉट खरीदना हो या बेचना, अब साथ में एक छोटा-मोटा सुरक्षा दस्ता रखना शायद जरूरी हो गया है, क्योंकि यहाँ ग्राहक भगवान नहीं, बल्कि यमराज के अवतार बनकर भी आ सकते हैं।

गला काटने वाली डोर और पल्ला झाड़ने वाले अस्पताल, जिम्मेदार कौन?

पतंग का शौक या कत्ल का लाइसेंस?

संवाददाता मोहम्मद सैफ,

लखनऊ। नवाबों के शहर में अब हवाएं सिर्फ ठंडक नहीं लातीं, बल्कि मौत की धार लेकर दौड़ रही हैं। पिछले दिनों एक युवक की मौत और कई लोगों के घायल होने के बाद शासन की नींद टूटी है। मुख्यमंत्री जी ने आदेश दिया है कि अब कातिल डोर के सौदागरों पर हत्या का मुकदमा चलेगा। आदेश शानदार है, पर सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ कागजी पेंच लड़ाना है या जमीन पर भी कुछ बदलेगा?

हमारे शहर के प्राइवेट अस्पतालों की फुर्ती देखकर ओलंपिक वाले भी शरमा जाएं। डिलीवरी के केस में लाखों का बिल फाड़ने वाले ये अस्पताल, जैसे ही गले पर मांझे का घाव देखते हैं, उन्हें अचानक ट्रॉमा सेंटर का रास्ता याद आ जाता है।

शायद इन अस्पतालों के पास सिर्फ उन्हीं मरीजों के लिए बेड है जिनकी जेबें गर्म हों, जिनके गले कटे हों उन्हें तो ये सीधे श्मशान का शॉर्टकट ट्रॉमा सेंटर दिखाकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। अगर आप मरीज को प्राथमिक उपचार नहीं दे सकते और उसे सड़क पर दम तोड़ने के लिए छोड़ देते हैं, तो अस्पताल के बोर्ड पर जीवन रक्षक नहीं, रेफर सेंटर लिखवा देना चाहिए।

हादसे वाली जगह पर अब फरिश्ते नहीं, कंटेंट क्रिएटर आते हैं। सड़क पर तड़पता इंसान किसी के लिए जान बचाने का मौका नहीं, बल्कि वायरल वीडियो बनाने का सुनहरा अवसर बन चुका है। लोग कपड़ा बांधकर खून रोकने के बजाय फोन का कैमरा ऑन कर ज़ूम सेट करने में ज्यादा मशगूल रहते हैं।

छतों पर पतंग उड़ाने वाले तो सिर्फ प्यादे हैं, असली खिलाड़ी तो वो हैं जो बड़े-बड़े टूर्नामेंट करवाते हैं। बड़े-बड़े रसूखदार लोग जब इन पतंगबाजों को सम्मानित करते हैं, तो वे भूल जाते हैं कि वे किसी खिलाड़ी को नहीं, बल्कि एक संभावित हत्यारे को शाबाशी दे रहे हैं।

जब तक इन बड़े आयोजनों पर ताला नहीं जड़ा जाएगा, तब तक गलियों के नादान पतंगबाज नहीं सुधरेंगे। शौक पालना अच्छी बात है, लेकिन ऐसा शौक जो दूसरों के परिवार उजाड़ दे, उसे शौक नहीं नशा और आतंक कहना ज्यादा मुनासिब होगा।

चाइनीज मांझा हो या देशी शीशे वाला धागा, मौत दोनों से आती है। कानून की ताकत सिर्फ तब नहीं दिखनी चाहिए जब कोई मर जाए, बल्कि तब दिखनी चाहिए जब वो मांझा बाजार में बिकने आए।

पतंगबाजी को छतों से हटाकर शहर के बाहर खुले मैदानों में फेंकिए। जवाबदेही अगर रास्ते में पड़ने वाले अस्पताल ने मरीज को बिना उपचार दिए रेफर किया, तो उस अस्पताल के लाइसेंस पर भी वही कातिल मांझा चलना चाहिए।

अगर आपकी पतंग की डोर किसी के घर का चिराग बुझा रही है, तो याद रखिए आप पतंग नहीं, किसी की जिंदगी काट रहे हैं। और ऐसे कातिल शौक को पालने से बेहतर है कि इंसानियत पाल ली जाए।

जर्जर संजय सेतु की मरम्मतः क्या करदाताओं के धन का उपयोग स्थायी और दीर्घकालिक समाधान हेतु नहीं किया जाना चाहिए? – संजीव सिंह राठौर

बहराइच/देवीपाटन मंडल, घाघरा नदी पर स्थित संजय सेतु की लगातार जर्जर होती स्थिति को लेकर क्षेत्र में गहरी चिंता व्याप्त है। विगत लगभग आठ वर्षों से यह पुल अस्थायी मरम्मत और अंतरिम व्यवस्थाओं के सहारे संचालित हो रहा है। स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, छात्रों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा समय-समय पर स्थायी समाधान की मांग उठाई जाती रही है, किंतु नए पुल के निर्माण की दिशा में अब तक ठोस प्रगति परिलक्षित नहीं होती। हर बार पूछे जाने पर यह कहा जाता है कि प्रस्ताव भेजा जा चुका है, डीपीआर तैयार की जा रही है या बजट स्वीकृति की प्रतीक्षा है। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी हुई है और केवल मरम्मत कार्यों का दोहराव होता रहा है। उपलब्ध जानकारियों के अनुसार वर्षों में मरम्मत पर लाखों-करोड़ों रुपये व्यय किए गए, फिर भी पुल की संरचनात्मक मजबूती को लेकर संतोषजनक आश्वासन सामने नहीं आया। विशेषज्ञों का मत है कि यदि किसी संरचना की मूल अवस्था निरंतर कमजोर हो रही हो, तो बार-बार की मरम्मत दीर्घकालिक समाधान सिद्ध नहीं होती। ऐसी स्थिति में पुनर्निर्माण अथवा समानांतर नए पुल के निर्माण पर प्राथमिकता से विचार आवश्यक होता है। संजय सेतु केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं एवं आपातकालीन व्यवस्थाओं की जीवनरेखा है। किसी संभावित दुर्घटना की आशंका नागरिकों में असुरक्षा की भावना उत्पन्न कर रही है। ऐसे में जनता के मन में स्वाभाविक प्रश्न उठ रहे हैं: क्या क्षेत्रवासियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है? क्या करदाताओं के धन का उपयोग स्थायी और दीर्घकालिक समाधान हेतु नहीं किया जाना चाहिए? क्या आठ वर्षों का इंतजार पर्याप्त नहीं है? उपरोक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए संबंधित विभागों एवं शासन से मांग की जाती है कि: संजय सेतु की वर्तमान संरचनात्मक स्थिति की स्वतंत्र एवं पारदर्शी तकनीकी जांच कराई जाए। नए पुल के निर्माण हेतु स्पष्ट एवं समयबद्ध कार्ययोजना सार्वजनिक की जाए। स्वीकृत बजट, प्रगति रिपोर्ट तथा निर्धारित समयसीमा की जानकारी सार्वजनिक रूप से साझा की जाए। निर्माण पूर्ण होने तक सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न्यूनतम रहे। यह विषय केवल एक पुल तक सीमित नहीं है, बल्कि जनता की सुरक्षा, विश्वास और क्षेत्र के समग्र विकास से जुड़ा है। अब समय आ गया है कि अस्थायी मरम्मत के चक्र से आगे बढ़कर स्थायी समाधान की दिशा में निर्णायक कदम उठाए जाएँ।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

अविश्वास से हासिल क्या

विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए संविधान के अनुच्छेद 94सी प्रवधानों के अंतर्गत सदन के महासचिव को नोटिस सौंपा और आरोप लगाया कि विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष द्वारा सदन के संचालन से असंतुष्ट है। कांग्रोस, समाजवादी पाटा, द्रमुक वुछ और इंडिया गठबंधन की पार्टियों के 118 सदस्यों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किया है। मजे की बात तो यह है कि जैसे ही महासचिव ने यह जानकारी लोकसभा अध्यक्ष को दी तो उन्होंने तत्काल यह इच्छा व्यक्त की कि जब तक इस नोटिस का निराकरण नहीं हो जाता, वह स्पीकर के आसन पर नहीं बैठेंगे। इसका मतलब यह हुआ कि अभी तो विपक्ष की सूची का सत्यापन होगा फिर कहीं लोकसभा के अध्यक्ष को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

दरअसल पूरे झगड़े की जड़ यही है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख की अप्रकाशित पुस्तक में एक प्रसंग को लेकर बोलना चाहते थे जिसे पीठ ने अनुमति नहीं दी। इस पीठ के प्रमुख तो लोकसभा अध्यक्ष ही हैं जबकि उसके सदस्य सभी पार्टियों के एमपी हैं। मान लीजिए यदि लोकसभा अध्यक्ष और उनकी पाटा के सदस्यों ने आसन पर विराजमान होने के दौरान राहुल को अनुमति नहीं दी तो क्या विपक्ष के सदस्यों ने भी राहुल को बोलने से मना करके संसदीय भावना के विरुद्ध कार्य किया। सच तो यह है कि पूर्व सेनाध्यक्ष एमएम नरवणे की पुस्तक पर बोलने के मुद्दे को लेकर विपक्ष खुद ही एक मत नहीं है। इस नोटिस को ही देखने से ही स्पष्ट हो जाता है। इस पर सारे विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर नहीं हैं कारण कि टीएमसी ने पहले ही मना करके दो टूक कहा था कि वह ऐसा वुछ भी नहीं करेगी जिससे टकराव बढ़े। लोकसभा स्पीकर और कांग्रोस में नाराजगी का कारण यह भी है कि हुड़दंगई करने वाले 8 सांसदों को सत्र के शेष कार्यावधि से बाहर कर दिया है। कांग्रोस ने इस नोटिस के पहले स्पीकर से अनुरोध किया था कि वह सभी 8 सांसदों को आरोप मुक्त कर दें किन्तु लोकसभा के स्पीकर ने कांग्रोस के इस प्रस्ताव को मानना तो दूर बल्कि उसका अध्ययन तक करना उचित नहीं समझा। दूसरी तरफ कांग्रोस पाटा लोकसभा में अपने नेता राहुल गांधी के बोलने के मुद्दे पर शीर्ष नेतृत्व के दबाव में है। यही कारण है कि यदि पाटा के एक वर्ग को उनका यह व्यवहार अच्छा नहीं लगता। असल में टकराव से बचने वाले तमाम कांग्रोसी तो पाटा छोड़कर या तो चले गए या उन्हें पाटा छोड़ने पर मजबूर कर दिया गया। इसलिए आज पाटा में वरिष्ठ नेता राहुल का विरोध करके राजनीतिक शहीद बनने से बचते हैं। यही कारण है कि पाटा में वही होता है जो राहुल गांधी चाहते हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस टकराव का पाटा को फायदा क्या होगा? बहरहाल यह आसन से टकराव का ही परिणाम है कि पाटा के सदस्य उन मुद्दों को भी नहीं उठा पाए जिसके लिए वे चुने गए हैं। वुल मिलाकर राजनीतिक टकराव का कांग्रोस और विपक्ष को किसी तरह का लाभ होने वाला नहीं है क्योंकि 'धारणा' हमेशा तर्व से ऊपर होती है और धारणा यही है कि बहानों की झड़ी लगाकर विपक्ष ने बजट सत्र के दौरान राष्ट्रपति के अभिभाषण प्रस्ताव को बर्बाद किया फिर बजट प्रस्ताव पर चर्चा को भी बाधित किया। लब्बोलुआब यह है कि कांग्रोस और विपक्षी सहयोगी यह जानते हुए भी कि वे लोकसभा अध्यक्ष को पद से हटाने में सफल नहीं होंगे, फिर भी राजनीतिक मजबूरी में संवैधानिक संस्था के मुखिया के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला रहे हैं तो इसका मतलब है कि उन्हें परिणाम से वुछ भी लेना-देना नहीं है बल्कि राजनीति के लिए स्पीकर को हटाने का अभिनय करना है।

पीएम किसान की 22वीं किस्त से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कही ये बड़ी बात

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त अब आने ही वाली है। देश के करोड़ों किसानों की निगाहें पीएम किसान की 22वीं किस्त पर है, लेकिन अभी तक सरकार की ओर से कोई आधिकारिक तारीख नहीं बताई गई है। इसी बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम किसान योजना पर बड़ा बयान दिया है।

पीएम किसान योजना पर पूछा गया सवाल

संसद में एक सवाल पूछा गया कि अब तक इस किस्त के जरिए किसानों के खाते में कितने रुपये क्रेडिट हुए? इस पर भी पीएम मोदी ने संसद में राष्ट्रपति के राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान अपनी बात रखी।

पीएम मोदी ने क्या कहा?

पीएम मोदी ने इस सवाल के जवाब पर कहा, 'हम जमीनी हकीकत से परिचीत थे, इसलिए पीएम किसान योजना लेकर आए। हमारे दिल में छोटे किसानों के प्रति दर्द था। इसी कारण हम पीएम किसान सम्मान निधि योजना लेकर आए। इतने कम समय में सरकार ने छोटे किसानों के खातों में लगभग चार लाख करोड़ रुपये दिए हैं। चार लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा छोटा नहीं होता।'

नवंबर में जारी हुई थी 21वीं किस्त

आपको याद दिला दें कि पिछले साल नवंबर में पीएम किसान योजना की 21वीं किस्त जारी हुई थी जिसके तहत 9 करोड़ किसानों के खाते में 2,000 रुपये भेजे गए थे। अब सभी किसान 22वीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं।

फार्मर आईडी है जरूरी

कुछ दिन पहले ही सरकार ने साफतौर पर कहा है कि पीएम किसान योजना का लाभ लेने वाले सभी किसानों को फार्मर आईडी बनवानी होगी। फार्मर आईडी का फायदा किसानों को पीएम किसान योजना के अलावा कई योजनाओं में मिलेगा और साथ में खाद बीज की खरीदी में भी इसका फायदा मिलेगा।

बिहार के किसानों को 9000 रुपये

हाल ही में बिहार सरकार ने अपने बजट में किसानों को बड़ा तोहफा देते हुए पीएम किसान की राशि को 3,000 रुपये कर दी है। उसके बाद अब बिहार के किसानों को हर साल 6,000 रुपये की जगह 9,000 रुपये मिलेंगे।

कब आएगी पीएम किसान की 22वीं किस्त?

पीएम किसान की 22वीं किस्त में देर तो हो रही है लेकिन इस सवाल का जवाब फिलहाल किसी के पास नहीं है। सरकार ने इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है, हालांकि उम्मीद की जा रही है कि होली से पहले पीएम किसान की 22वीं किस्त जारी हो सकती है।

अप्रैल से बदल जाएंगे पैन कार्ड से जुड़े ये बड़े नियम,आपके जिंदगी में क्या बदलेगा?

(एजेंसी)।

अगर आप बैंक में कैश जमा करने या निकालने के लिए PAN कार्ट का इस्तेमाल करते हैं तो यह काम की खबर आपके लिए है। New I»»fcome TÔx DrÔft 2026 के तहत अगर आप गाड़ी खरीदने की योजना बना रहे हैं, होटल या इवेंट में पेमेंट करते हैं या फिर इंश्योरेंस पॉलिसी लेते हैं, तो आने वाला समय इसे लेकर कई बदलाव आ सकता है।

सरकार का साफ मकसद है छोटे और रोजमर्रा के लेन-देन में लोगों को राहत देना, जबकि बड़े पैसों के ट्रांजैक्शन पर सख्त निगरानी बनाए रखना।

आइए, आसान भाषा में समझते हैं कि नए नियमों से आपकी रोजमर्रा की जिंदगी में क्या बदलाव आ सकते हैं।

आपकी की जिंदगी में क्या बदलाव होगा?

केंद्र सरकार ने नए इनकम टैक्स रूल्स 2026 का ड्राफ्ट जारी किया है, जिसमें ढअठ कार्ड से जुड़े नियमों को आसान और व्यावहारिक बनाने की तैयारी है। ये नियम नए इनकम टैक्स एक्ट 2025 से जुड़े हैं और इन्हें 1 अप्रैल 2026 से लागू करने का प्रस्ताव है। इसे लागू होने के बाद आपकी जिंदगी पर क्या असर पड़ेगा...

बैंक में कैश जमा और निकासी: अब सालाना लिमिट देखी जाएगी

ड्राफ्ट नियमों के मुताबिक, अब बैंक में कैश जमा या निकालने पर रोज-रोज पैन कार्ड दिखाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। PAN कार्ड तभी देना होगा, जब कोई व्यक्ति एक वित्तीय वर्ष में अपने एक या एक से ज्यादा बैंक खातों से कुल 10 लाख रुपये या उससे ज्यादा का कैश जमा करता है या निकालता है।

अभी तक नियम यह था कि एक ही दिन में 50 हजार रुपये से ज्यादा कैश जमा करने पर पैन देना जरूरी होता है। नया नियम डेली लिमिट की जगह पूरे साल के कुल लेन-देन पर फोकस करता है, जिससे आम खाताधारकों को काफी राहत मिल सकती है।

इंश्योरेंस लेने वालों के लिए जरूरी अपडेट

ड्राफ्ट नियमों में इंश्योरेंस सेक्टर को लेकर भी बदलाव प्रस्तावित हैं। नए नियमों के अनुसार, जब भी कोई व्यक्ति किसी इंश्योरेंस कंपनी के साथ

अकाउंट आधारित रिश्ता शुरू करेगा, तो PAN कार्ड देना अनिवार्य होगा। फिलहाल पैन कार्ड तब मांगा जाता है, जब लाइफ इंश्योरेंस का सालाना प्रीमियम 50 हजार रुपये से ज्यादा हो। नए नियम लागू होने पर इंश्योरेंस से जुड़े सभी बड़े ट्रांजैक्शन टैक्स सिस्टम के दायरे में आसानी से आ सकेंगे।

गाड़ी खरीदने पर किसे राहत मिलेगी?

वाहन खरीदने वालों के लिए यह बदलाव राहत भरा है। ड्राफ्ट के मुताबिक, अब ढअठ कार्ड तभी देना होगा, जब कार या बाइक की कीमत 5 लाख रुपये से ज्यादा होगी। अब तक किसी भी कीमत की गाड़ी खरीदने पर पैन देना जरूरी था और दोपहिया वाहनों को लेकर नियम स्पष्ट नहीं थे। नए नियम से सस्ती कार या बाइक खरीदने वालों का कागजी झंझट कम हो सकता है।

प्रॉपर्टी डील में बढ़ी PAN की सीमा

घर, फ्लैट या प्लॉट खरीदने-बेचने और गिफ्ट से जुड़ी प्रॉपर्टी डील में भी राहत का प्रस्ताव है। नए ड्राफ्ट के अनुसार, अब 20 लाख रुपये से ज्यादा की प्रॉपर्टी डील पर ही PAN कार्ड देना होगा। अभी यह सीमा 10 लाख रुपये है। प्रॉपर्टी की बढ़ती कीमतों को देखते हुए यह बदलाव आम लोगों के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है।

होटल, शादी और इवेंट पेमेंट पर नया नियम

अगर आप होटल, रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हॉल, कन्वेंशन सेंटर या इवेंट मैनेजर को पेमेंट करते हैं, तो नए नियम आपके लिए अहम हैं। ड्राफ्ट के मुताबिक, अब PAN तभी देना होगा, जब बिल की रकम 1 लाख रुपये से ज्यादा होगी।अभी यह सीमा 50 हजार रुपये है। इससे शादी-ब्याह और पारिवारिक कार्यक्रमों में बार-बार पैन देने की परेशानी कम हो सकती है।

ठी६ क्ल्लूर्क्ष्री ऊ४ां३ 2026 में नौकरीपेशा लोगों के लिए क्या बदलेगा?

ड्राफ्ट नियमों में नियोक्ता के जरिए मिलने वाले कुछ बेनिफिट्स की वैल्यू लिमिट बढ़ाने का भी सुझाव है। इससे सैलरी स्ट्रक्चर को सरल बनाने में मदद मिल सकती है और कर्मचारियों को टैक्स से जुड़ी कुछ राहत मिल सकती है।

क्रिप्टो और डिजिटल पेमेंट पर भी फोकस

सरकार की नजर क्रिप्टो और डिजिटल ट्रांजैक्शन पर भी है। ड्राफ्ट में क्रिप्टो एक्सचेंज को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के साथ ट्रांजैक्शन डिटेल्स साझा करने का प्रस्ताव है। साथ ही, डिजिटल रुपया (CBDC) को वैध इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट का दर्जा देने की बात कही गई है।

कब से लागू होंगे नियम?

CBDT ने बजट 2026 के बाद इन ड्राफ्ट नियमों को जनता की राय के लिए जारी किया है। सभी सुझावों पर चर्चा के बाद मार्च 2026 तक इन्हें अंतिम रूप दिया जा सकता है। नया इनकम टैक्स एक्ट 2025 और उससे जुड़े नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होने की संभावना है।

अगर ये नियम इसी रूप में लागू होते हैं, तो आम लोगों के लिए छोटे और रोजमर्रा के ट्रांजैक्शन आसान हो जाएंगे, जबकि बड़े लेन-देन पर सरकार की पकड़ और मजबूत होगी। कुल मिलाकर, यह बदलाव टैक्स सिस्टम को ज्यादा सरल और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

यूपी करम को हराकर नवल टाटा ओडिशा बना लिटिल चैम्पियन

राउंड ग्लास अकादमी को तीसरा और पंजाब मोहाली को चौथा स्थान मिला

लखनऊ। राजधानी के गोमतीनगर स्थित पद्मश्री मोहम्मद शाहीद हाकी स्टेडियम में आयोजित 36वां अखिल भारतीय केडी सिंह बाबू अंडर-14 सब जूनियर पांच लाख नगद प्राईजमनी बालक हाकी टूनार्मेंट के फाइनल मैच में मेजबान यूपी करम को ओडिशा नवल टाटा से 2-0 गोल से हार का मुंह देखकर दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। लिटिल चैंप के खिताबी मुकाबले में मेहमान टीम चैम्पियन रही। यूपी करम को दूसरा स्थान मिला। तीसरे स्थान के मैच में राउंड ग्लास हाकी अकादमी ने पंजाब इंस्टीट्यूट ऑफ मोहाली को 3-1 गोल से हराकर दूसरा स्थान हासिल किया। जबकि मोहाली को चौथे स्थान पर संतोष करना पड़ा।

खेले गये खिताबी मुकाबले में यूपी करम के खिलाड़ियों को अटैक और डिफेंस शुरू से ही कमजोर दिखा। मेहमान टीम ओडिशा के खिलाड़ियों ने अपनी आक्रमकता को बरकरार रखते हुए फाइनल मैच में भी बादशाहत बनाये रखी। ओडिशा की ओर से अभिषेक सोरंग ने 21वें और 39वें मिनट में 2 गोल दागकर स्कोर अंत तक कायम रखते हुए खिताब जीत लिया। टूनार्मेंट के समापन समारोह के मौके पर मुख्य अतिथि कविता निगम, करम ग्रुप ऑफ कंपनीज और आजमगढ़ के पांच बार के विधायक आलम बादी विशिष्ट अतिथि ने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों के पुरस्कार वितरित करते हुए बच्चों को मनोबल बढ़ाया। इस मौके पर केडी सिंह बाबू सोसाईटी के टूनार्मेंट आयोजक ओलंपियन सैयद अली, सुजीत कुमार, दानिश मुजतबा, रचना गोविल, अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मंजू बिष्ट, इमरानुल हक, राजेश टंडन, इनायत उल्लाह, धीरेंद्र सिंह उर्फ कमांडर, सोसाइटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष खुर्शीद मनोज, गुरतोष पांडे और यूपी करम के कोच कुलदीप मौर्या और जिला हाकी संघ के सचिव अविनाश श्रीवास्तव और अन्य मौजूद रहे।

टूनार्मेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी यूपी टीम के उज्जवल, सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर राउंड ग्लास के प्रिंसिपल सिंह, सर्वश्रेष्ठ हाफ गोलकीपर राउंड ग्लास के सुलेमान, सर्वश्रेष्ठ फुलबैक अभिषेक सोरेंग रहे। सभी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को संकल्प साह द्वारा उनके नाना स्वर्गीय किशोरी लाल की स्मृति में 20000 रुपये का पुरस्कार दिया गया। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी यूपी के उज्जवल को ग्रेस एंटरप्राइजेज की ओर से एक पूरी किट भेंट की गई।

सुप्रिया लाइफसाइंस ने वित्त-वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में रेवेन्यू में साल-दर-साल 11% की बढ़ोतरी के साथ दमदार प्रदर्शन किया

11 फरवरी, 2026: सुप्रिया लाइफसाइंस लिमिटेड ूक्ष्ट्ढ के अनुरूप कारोबार करने वाली कंपनी है, जिसका अढक निर्माण में ट्रैक-रिकॉर्ड बेहद दमदार रहा है, और यह एंटी-हिस्टामाइन, एंटी-एलर्जिक, विटामिन, एनेस्थेटिक और एंटी-अस्थमेटिक सहित चिकित्सा के अलग-अलग खंडों के लिए प्रोडक्ट्स तैयार करने पर विशेष ध्यान देती है। कंपनी ने आज वित्त-वर्ष 26 की तीसरी तिमाही के लिए बिना ऑडिट वाले वित्तीय विवरण जारी किए हैं। कंपनी का कारोबार दुनिया भर में 120 से अधिक देशों में फैला हुआ है।

वित्त-वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में, सुप्रिया लाइफसाइंस लिमिटेड के रेवेन्यू में साल-दर-साल 11.2% की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह वित्त-वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में 185.65 करोड़ रुपये की तुलना में 206.44 करोड़ रुपये हो गई।

वित्त-वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में एइक्लऊअ 72.08 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसमें एइक्लऊअ मार्जिन 34.9% रहा, जबकि इसकी तुलना में वित्त-वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में एइक्लऊअ 65.96 करोड़ रुपये था, जिसमें एइक्लऊअ मार्जिन 35.5% था।

वित्त-वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में कर अदायगी के बाद लाभ 49.68 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त-वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में यह 46.78 करोड़ रुपये था।

वित्त-वर्ष 26 की तीसरी तिमाही के दौरान ढअळ मार्जिन 24.1% रहा, जो इसकी तुलना में वित्त-वर्ष 25 की तीसरी तिमाही के दौरान 25.2% था।

वित्त-वर्ष 26 के शुरूआती 9 महीने में एनेस्थेटिक सेगमेंट ने रेवेन्यू बढ़ाने में सबसे अहम भूमिका निभाई, जिसका योगदान वित्त-वर्ष 25 के शुरूआती 9 महीने में 48% के मुकाबले बढ़कर 54% हो गया। इस अवधि के दौरान विटामिन सेगमेंट में भी सुधार देखा गया, और इसका योगदान 11% से बढ़कर 12% हो गया।

मौजूदा प्रगति लैटिन अमेरिका के बाजार की वजह से हुई है। लैटिन अमेरिकी बाजारों का योगदान 21% से बढ़कर 24% हो गया, जबकि वित्त-

किचन में पनप रहा प्यार! राहुल वैद्य ने प्रपोज डे बैश के साथ कलर्स के 'लाफ्टर शेफ्स' में एंट्री मारी

तैयार हो जाइए ढेर सारे हंगामे के लिए, क्योंकि कलर्स का 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' यह साबित करने निकला है कि ज्यादा शेफ सिर्फ खाना ही खराब नहीं करते - बल्कि उसे मजेदार भी बनाते हैं। किचन में रोमांस के तड़के के साथ डिनरटेनमेंट बन रहा है और प्रपोज डे स्पेशल के ठीक समय पर, ओजी सर्कल का गायब इंग्रेडिएंट वापस आ गया है: एक और सिर्फ. राहुल वैद्य। जैसे ही राहुल ने कदम रखा, उन्होंने पूरे कमरे को रोमांटिक माहौल में बदल दिया, जिससे भारत का पसंदीदा टेलीविजन किचन एक फुल-ऑन कॉन्सर्ट बन गया। कुकिंग बैटल के बीच, पूरी टीम ने अपने काउंटर छोड़कर अचानक डांस फ्लोर पर डांस करना शुरू कर दिया, और गुलाबी आँखें और दिल तो पागल है जैसे क्लासिक्स पर झूमने लगे।

जब म्यूज़िक बंद हुआ, तो कुक-ऑफ में कॉम्पिटिशन की आग फिर से भड़क उठी। सुदेश लहरी की गैरमौजूदगी में, राहुल ने फायरक्रैकर निया शर्मा के साथ मिलकर एक ऐसा मेन्यू बनाया जो एक कुकिंग चैलेंज जैसा लगता है: प्याज की खीर (हाँ,

प्याज की पुडिंग) जिसके बाद एक दिल को सुकून देने वाली लोबिया की डिश।

अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए राहुल वैद्य ने कहा, "ईमानदारी से कहूँ तो लाफ्टर शेफ्स में वापस आकर ऐसा लग रहा है जैसे घर वापस आ गया हूँ, बस यहाँ सोफे की जगह फ्राइंग पैन और पूरा ड्रामा है! मुझे सच में यह पागलपन, लोग और यह क्रेजी एनर्जी बहुत याद आई, जो आपके साथ तब भी रहती है जब आप दूर होते हैं। निया के साथ खाना बनाना एक बिल्कुल नया एडवेंचर था, मसालेदार, अप्रत्याशित और फुल एंटरटेनमेंट, बिल्कुल उसकी तरह! और अली से दोबारा मिलकर बहुत सारी यादें ताजा हो गईं और वह कम्फर्ट मिला जो काम पर कम ही मिलता है। मैं जहाँ भी जाता हूँ, दोस्त मुझसे कहते रहते हैं कि वे इस शो के कितने दीवाने हैं, और अब जब मैं वापस आ गया हूँ, तो मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है कि यह सीजन क्यों इतना अलग है। इस प्रपोज डे पर मैं कहना चाहता हूँ कि प्यार को हमेशा गुलाब और कैंडललाइट की जरूरत नहीं होती। कभी-कभी यह हँसने, छेड़ने और अपने माता-पिता, भाई-बहन, दोस्तों और बच्चों के लिए मौजूद रहने के बारे में होता है। अगर यह शो लोगों को 'आई लव यू' कहने का एक और कारण देता है, तो मुझे लगता है कि हमने अपना काम कर दिया है!"

निविया सॉफ्ट और रियलमी स्मार्टफोन पेश करते हैं 'लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट', जिसे एनवी परफ्यूम्स, कैच मसाले, किसान चटनी, विनोद इंटेलिजेंट कुकवेयर और राजधानी बेसन ने को-पावर्ड किया है। स्पेशल पार्टनर सिग्नेचर ब्लैंकेट और निरम एडवांस वॉशिंग पावडर हैं। हर शनिवार-रविवार रात 9:00 बजे सिर्फ कलर्स पर देखें!

आशियाना परिवार लखनऊ ने सर्वधर्म संभाव का आयोजन किया

लखनऊ। भाग्योदय फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं संस्थापक आचार्य राम महेश मिश्र का राजधानी लखनऊ में हुआ भव्य सम्मान। श्री मिश्र को यह सम्मान विचार क्रान्ति एवं आध्यात्मिक जगत की विभिन्न सराहनीय गतिविधियों तथा हिन्दी साहित्य जगत में सक्रिय योगदान के लिए दिया गया। सरोजिनीनगर लखनऊ से विधायक श्री राजेश्वर सिंह द्वारा यह सम्मान उन्हें आशियाना परिवार लखनऊ के वार्षिक कार्यक्रम में दिया गया। ज्ञातव्य हो, श्री सिंह आईपीएस अधिकारी के रूप में गृह मंत्रालय भारत सरकार के अधीन कार्यरत प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के संयुक्त निदेशक रहे हैं। इस अवसर पर हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, जैन, बौद्ध, पारसी, बहाई आदि धर्मों के प्रमुख प्रतिनिधि मौजूद थे। आशियाना परिवार के अध्यक्ष

तथा विभिन्न संगठनों के प्रमुखों ने आचार्य मिश्र को बधाई दी। इस अवसर पर सभी को भाग्योदय फाउंडेशन की पुस्तक "समग्र व्यक्तित्व निर्माण एवं सफल जीवन के 108 महत्वपूर्ण सूत्र" भेंट की गई। विधायक श्री सिंह ने भारत के विकास में वैज्ञानिकों के अमूल्य योगदान से देश की नई पीढ़ी को परिचित कराने वाली पत्रिका 'भारत की विज्ञान यात्रा' की सराहना की।

उक्त अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार श्री सुशील दूबे उनके सराहनीय कार्य के लिये विधायक श्री राजेश्वर सिंह ने सम्मानित किया। समाज सेवा में अग्रणी श्रीमती किरण पाण्डेय को भी विधायक श्री राजेश्वर सिंह ने स्मृति चिन्ह देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

मेरठ में कबसे चलेगी मेट्रो और नमो भारत ट्रेन, सामने आ गई तारीख? पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

(जीएनएस)।

मेरठः बीजेपी के विश्वस्त सूत्रों से बड़ी खबर सामने आई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेरठ में नमो भारत और मेरठ मेट्रो ट्रेन को जल्द हरी झंडी दिखाएंगे. अगले सप्ताह मेरठ में बड़ा कार्यक्रम होने वाला है. पीएम मोदी मेरठ आकर नमो भारत और मेरठ मेट्रो ट्रेन को जल्द हरी झंडी दिखाएंगे. अगले सप्ताह पीएम मोदी के मेरठ आने का कार्यक्रम प्रस्तावित है. बीजेपी के विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि 22 फरवरी को पीएम मोदी के मेरठ आगमन का कार्यक्रम प्रस्तावित है. पीएम मोदी मेरठ के मोहिद्दिनपुर में न्यू टाउनशिप ग्राउंड पर रैली को भी संबोधित कर सकते हैं.

पीएम मोदी और सीएम योगी का हो सकता है आगमन

पीएम मोदी के साथ सीएम योगी के आने का भी कायक्रम प्रस्तावित है. न्यूज 18 ने इससे पहले दिखाया था कि कैसे नमो भारत व मेट्रो मोदीपुरम

स्टेशन तक संचालन के लिए तैयार है. कई महीनों से यहां ट्रायल किया जा रहा है. सुरक्षा संबंधित अनुमति काफी पहले मिल चुकी है. वर्तमान में मेरठ साउथ से दिल्ली के न्यू अशोक नगर स्टेशन तक नमो भारत की सेवा जारी है. पीएम मोदी द्वारा हरी झंडी दिखाने के बाद मेरठ के मोदीपुरम से दिल्ली के सराय काले खां तक नमो भारत दौड़ेगी. इसी ट्रैक पर मेरठ में मेरठ मेट्रो भी दौड़ेगी.

कितने स्टेशनों पर रुकेगी मेट्रो

पीएम के आगमन की सूचना से मेरठ का प्रशासनिक अमला हुआ चौकन्ना हो गया है. डीएम एसएसपी समेत तमाम आलाधिकारी निरीक्षण में जुट गए हैं. वर्तमान में मेरठ के मेरठ साउथ भूड़बराल से दिल्ली के न्यू अशोक नगर स्टेशन तक नमो भारत की सेवा जारी है. अब दिल्ली के सराय काले खां और मेरठ के बाकी तीनों स्टेशनों पर नमो भारत की सेवा शुरू होनी है. वहीं, इसी ट्रैक पर मेरठ में मेरठ मेट्रो भी दौड़ेगी. मेट्रो सभी 13 स्टेशनों पर रुकेगी. कुल 82 किमी लंबे कारिडोर में 23 किमी कारिडोर हिस्से पर मेरठ में मेट्रो भी दौड़ेगी. नमो भारत की अधिकतम संचालन गति 160 किमी प्रति घंटा है, जबकि मेरठ मेट्रो की अधिकतम गति 120 किमी प्रति घंटा है.

भगवान शनिदेव की मूर्ति स्थापना के बाद बुधवार को विधि-विधान से हवन-पूजन एवं भंडारे का आयोजन

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। ग्राम पंचायत बड़ागांव के मोहल्ला मढीटोला स्थित दुर्गा मंदिर में भगवान शनिदेव की मूर्ति स्थापना के बाद बुधवार को विधि-विधान से हवन-पूजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद अभय शुक्ला, रमेश चंद्र पाठक एवं पुजारी मंशाराम ने यजमान सन्नो रस्तोगी के हाथों वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन सम्पन्न कराया। इसके पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में बड़ागांव, मसौली, धरौली, सिसवारा, चंदनपुरवा, नसीरनगर सहित आसपास के गांवों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान शनिदेव का प्रसाद ग्रहण किया। प्रसाद में खिचड़ी, दही और बूंदी वितरित की गई।

इस अवसर पर लकी रस्तोगी, किशन रस्तोगी, श्यामाचरण गुप्ता, कृष्ण कुमार गुप्ता, दुर्गेश यादव, सूरज यादव, मास्टर सुरजन यादव, उमाशंकर, दुर्गेश गुप्ता, जितेंद्र, मोहित यादव, मनोज, रितेश सहित भारी संख्या में महिला एवं पुरुष भक्तगण उपस्थित रहे।

शक्ति दुर्गा मंदिर पर शुरू हुई पांच दिवसीय श्रीराम कथा

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। क्षेत्र के ग्राम गोड़वा ग्वारी में स्थित आदि शक्ति दुर्गा मंदिर पर शुरू हुई पांच दिवसीय श्रीराम कथा के प्रथम दिन कलश यात्रा निकाली गई जो पूरे गांव में भ्रमण करते हुए प्यारे दास कुटी कल्याणी नदी के घाट पर पहुंच कर महाराज रंजीतानन्द , सचिन व पुजारी रामपाल ने घाट पर पूजा अर्चना करने के बाद कलश में जल भरकर पुनः कथा स्थल पर पहुंचकर वैदिक मंत्रों के द्वारा कलश स्थापित किए गए।

कथा वाचक रंजीतानन्द महाराज ने बताया कि भक्ति के भावसागर में गोते लगाकर भक्त को असीम सुख की अनुभूति होती है ओर ईश्वर की भक्ति से ही जीवन को मुक्ति मिलती है।

उन्होंने कहा कि जब तक भक्त के अंतर्मन एवं विचार में सच्ची श्रद्धा नहीं होगी, तब तक प्रभु की कृपा प्राप्त नहीं हो सकती। भक्ति ईश्वर के प्रति पूर्ण समर्पण का भाव है इस दौरान विश्वनाथ, देशराज, संतोष सागर,

दिनेश, श्यामसुंदर, विरेंद्र कुमार, अरविंद, जय-जय राम,शिव कुमार, बिंद्रा प्रसाद आदि भक्तगण मौजूद रहे।

राजकीय वृक्ष को मिट्टी में दबाते वक्त वन विभाग टीम ने दो लोगों को दबोचा

(जीएनएस)।

बाराबंकी। जनपद में टिकैतगंज-बाबागंज मार्ग पर एक अर्जुन प्रजाति के राजकीय वृक्ष को टाटा हाइवा डंपर से गिराकर मिट्टी में दबाया जा रहा था। वन विभाग पुलिस ने दो अभियुक्तों बबलू पाल व निर्भय दुबे को पकड़ा है और उनके खिलाफ भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 के तहत मामला दर्ज कर ट्रक को सीज कर दिया गया है। बुधवार को प्रातः टिकैतगंज- बाबागंज मार्ग पटरी पर लगे अर्जुन प्रजाति के राजकीय वृक्ष को गाड़ी संख्या टाटा हाइवा डंपर UP41AT2717 से गिरा कर मिट्टी में दबाया जा रहा था जिसपर निम्न

अभियुक्तों में बबलू पाल निवासी ग्राम लालपुर थाना घुंघटेर बाराबंकी,निर्भय दुबे निवासी ग्राम राम आसरे पुरवा खरगापुर थाना गोमती नगर विस्तार लखनऊ के विरूद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 33 के अंतर्गत विधिक कार्यवाही की गई तथा ट्रक सीज कर दिया गया है। इस कार्यवाही दल में वन विभाग टीम से प्रशांत कुमार सेक्शन अधिकारी कुर्सी,कौशल सिंह बीट प्रभारी शामिल हैं।

वन रेंज देवा के क्षेत्रीय वनाधिकारी मयंक सिंह द्वारा ताबड़तोड़ लकड़कट्टों पर हो रही कार्यवाही से वन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

बरेली परिक्षेत्र IGRS निस्तारण में प्रदेश में अव्वल, जनवरी-2026 में 'प्रथम स्थान'

बरेली, 10 फरवरी 2026।

शासन द्वारा संचालित जनसुनवाई समाधान प्रणाली (क्क्क्र) के माध्यम से प्राप्त जन शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण में बरेली पुलिस परिक्षेत्र ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। शासन की जारी रैंकिंग के अनुसार माह जनवरीझ्र2026 में बरेली परिक्षेत्र ने पूरे उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) बरेली परिक्षेत्र श्री अजय कुमार साहनी के निर्देशन में की गई सतत निगरानी और प्रभावी कार्यप्रणाली का परिणाम मानी जा रही है।

इस उपलब्धि में परिक्षेत्र के चारों जनपद बरेली, बदायूँ, शाहजहाँपुर और पीलीभीत का संयुक्त योगदान रहा। उल्लेखनीय है कि परिक्षेत्र के कुल 88 थानों को भी प्रदेश स्तर पर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान मिला है, जो पुलिस व्यवस्था की जवाबदेही और शिकायत निस्तारण की गंभीरता को दशार्ता है।

जनपदवार उत्कृष्ट प्रदर्शन

जनपद बरेली (28 थाने):

कोतवाली, महिला थाना, सुभाषनगर, फतेहगंज पश्चिमी, किला, शेरगढ़, सीबीगंज, विशारतगंज, शाही, बारादरी, इज्जतनगर, भुता, भोजीपुरा, नवाबगंज, आंवला, भमोरा, शीशगढ़, प्रेमनगर, सिरौली, बिथरीचैनपुर, कैन्ट, फतेहगंज पूर्वी, फरीदपुर, अलीगंज, क्योलड़िया, हाफिजगंज, बहेड़ी, मीरगंज।

जनपद बदायूँ (20 थाने):

कुवरगांव, महिला थाना, बिनावर, जरीफनगर, अलापुर, सहसवान, फैजगंज बेहटा, इस्लामनगर, वजीरगंज, दातागंज, मुजरिया, बिल्सी, बिसौली, उझानी, उसांवा, कादरचौक, उघैती, मुसाझाग, हजरतपुर, सिविल लाइंस।

जनपद पीलीभीत (17 थाने):

महिला थाना, माधोटांडा, बरखेड़ा, करेली, कोतवाली, हजारा, जहानाबाद, सेहरामऊ उत्तरी, दियोरिया कला, घुंघचाई, न्यूरिया, पूरनपुर, गजरौला, बीसलपुर, सुनगढ़ी, अमरिया, बिलसंडा।

जनपद शाहजहाँपुर (23 थाने):

महिला थाना, रामचंद्र मिशन, खुटार, सिंधौली, कोतवाली, परौर, बण्डा, कलान, अल्हागंज, सेहरामऊ दक्षिणी, रोजा, मदनापुर, निगोही, मिजार्पुर, कांट, सदर बाजार, पुवायां, गढ़िया रंगीन, तिलहर, कटरा, खुदागंज, जैतीपुर, जलालाबाद।

कर्मियों को मिलेगा सम्मान

जन शिकायतों के प्रभावी निस्तारण में उत्कृष्ट कार्य के लिए परिक्षेत्र कार्यालय में कार्यरत उपनिरीक्षक शालू, कम्प्यूटर ऑपरेटर अमरेन्द्र कुमार तथा आरक्षी सलिल सक्सेना को नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

वहीं जिन जनपदों अथवा थानों का प्रदर्शन क्क्क्र शिकायतों के निस्तारण में अपेक्षानुरूप नहीं रहा, उनके कार्यों की विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

जवाबदेही की मिसाल

डीआईजी श्री अजय कुमार साहनी ने कहा कि जन शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इसी प्रकार जनसेवा की भावना से कार्य करने के निर्देश दिए, ताकि जनता का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास और मजबूत हो।

किशोरी से गन्ने के खेत में सामूहिक दुष्कर्म, एक आरोपी गिरफ्तार; दो फरार

(जीएनएस)।

पीलीभीत,अमरिया थाना क्षेत्र में एक 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी से तीन युवकों ने तमंचे के बल पर अपहरण कर गन्ने के खेत में सामूहिक दुष्कर्म किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य फरार हैं।

पीड़िता के पिता की तहरीर के अनुसार, 9 फरवरी को सुबह करीब 11 बजे किशोरी अपने चाचा के घर से लौट रही थी। तभी गांव के सलमान शाह ने तमंचा तानकर उसे डराया और अपने साथियों फिरोज शाह व समीर के साथ बाइक पर जबरन बिठा लिया। आरोपियों ने पास के गन्ने के खेत में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और धमकी दी कि मुंह खोला तो जान से मार देंगे।

किशोरी किसी तरह आरोपियों के चंगुल से निकलकर नहर में कूद पड़ी और घर पहुंची। बदहवास हालत में परिजनों को घटना बताई, जिसके बाद वे अमरिया थाने पहुंचे। थाने ने ढडउरड एक्ट व सामूहिक दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी समीर को गिरफ्तार कर लिया।

थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि पीड़िता का मेडिकल परीक्षण हो रहा है। फरार सलमान व फिरोज की तलाश में टीमें लगी हैं। जल्द उन्हें भी पकड़ लिया जाएगा।

एसपी ने जनसुनवाई में सुनी शिकायतें, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

(जीएनएस)।

पीलीभीत, जिले में जनशिकायतों के त्वरित एवं प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक पीलीभीत ने पुलिस कार्यालय में विशेष जनसुनवाई का आयोजन किया। इस दौरान एसपी ने व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जनता की शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही के सख्त निर्देश दिए।

जनसुनवाई में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं और आम नागरिकों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें मुख्य रूप से चोरी, लूट, पारिवारिक विवाद, भूमि अतिक्रमण और कानून-व्यवस्था से जुड़ी शिकायतें शामिल रहीं। एसपी ने हर शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए थाना प्रभारियों, चौकी इंचार्जों और अन्य संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश जारी किए, ताकि पीड़ितों को जल्द से जल्द न्याय मिल सके।

महत्वपूर्ण बिंदुः

- त्वरित निस्तारण पर जोरः एसपी ने स्पष्ट किया कि प्राथमिकता वाले मामलों में 48 घंटे के अंदर एक्शन लिया जाए, अन्यथा जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी।
- महिलाओं की सुरक्षा विशेष ध्यानः महिलाओं से संबंधित शिकायतों पर तुरंत एसआईटी गठित करने के आदेश।
- ग्रामीण क्षेत्रों पर फोकसः दूरस्थ इलाकों से आई शिकायतों के लिए मोबाइल पुलिस वाहनों की तैनाती का निर्देश।
- ट्रैकिंग सिस्टमः सभी मामलों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी और डिजिटल रजिस्टर का उपयोग अनिवार्य।
- नागरिकों को आश्वासनः एसपी ने कहा, "पुलिस जनता की सेवा के लिए है, हर शिकायत का शत-प्रतिशत समाधान होगा।

"यह जनसुनवाई जिले में पुलिस-जनता के बीच विश्वास बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले दिनों में ऐसी सुनवाइयों को नियमित बनाने की योजना है। जिला प्रशासन ने भी इस पहल की सराहना की है।

पीलीभीत में गौशाला पर हादसाः दर्जनों गायों की ठंड और चारे की कमी से मौत, हिंदू महासंघ ने घेरा

(जीएनएस)।

बीसलपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत सायर स्थित गौशाला में ठंड के कहर और हरे चारे की भारी कमी से दर्जनों गौवंशों की मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है और गौवंशों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। हिंदू महासंघ के कार्यकताओं ने गौशाला का दौरा कर लापरवाही के आरोप लगाए और प्रशासन पर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार अवधेश कुमार भी गौशाला पहुंचे, लेकिन कार्यवाही में देरी होने पर महासंघ ने बड़े स्तर पर प्रदर्शन की चेतावनी दी है। हिंदू महासंघ के मंडल प्रभारी संजय भारती, जिला प्रभारी झंकार सिंह, जिला सचिव राज कुमार गौतम, बस संघ के कार्यकर्ता धनपाल सिंह, चेतराम, कालीचरण, बुलाकी राम, हीरालाल, सतवीर भारती, मुन्ना लाल कश्यप, धवल बा सहित महासंघ के कई सदस्य मौके पर पहुंचे। उन्होंने गौशाला प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गौशाला के पास कम से कम तीन गड्ढों में 30 से अधिक मृत गौवंशों के शव दफन मिले।कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि गौशाला की जमीन मृत गौवंश य

शमशान भूमि तो नहीं है तो यहां गड्ढे क्यों है

जब गौशाला में गोवंशों की संख्या पूरी है, तो ये अतिरिक्त मृत पशु कहां से आ रहे हैं? सबसे बड़ी कमी स्टॉक रजिस्टर का न होना पाया गया। चारे की व्यवस्था का दावा किया जाता है, लेकिन चार पशुओं को भी हरा चारा उपलब्ध नहीं कराया जा रहा। या फिर खाली चारे का स्टॉक दिखाकर हेराफेरी की जा रही है। गौशाला सचिव खंड विकास अधिकारी को कॉल पर बुलाया गया, लेकिन वह मौके पर नहीं पहुंचे। ग्राम प्रधान पर भी लापरवाही के आरोप लगे।हिंदू महासंघ के पदाधिकारियों का कहना है कि पीलीभीत जिले में गौशालाओं में ऐसी लापरवाही कोई नई बात नहीं। राजुपुर और कुंडली गौशालाओं में भी इसी तरह की घटनाएं प्रकाशित होने के बावजूद दिखावे के तौर पर कार्रवाई हुई। ठंड के मौसम में गौवंशों को पर्याप्त हरा चारा, गर्माहट और चिकित्सा सुविधा न मिलने से मौतें हो रही हैं, जो प्रशासनिक उदासीनता को दशार्ता है। महासंघ ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई न हुई, तो जिले भर में आंदोलन छेड़ दिया जाएगा।नायब तहसीलदार अवधेश कुमार ने मौके का मुआयना कर रिपोर्ट दर्ज करने की बात कही है, लेकिन कार्यकर्ता संतुष्ट नहीं हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने भी गौशाला प्रबंधन की लापरवाही पर नाराजगी जताई और प्रशासन से तत्काल सुधार की मांग की। यह घटना जिले की गौशाला व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा रही है।

राष्ट्रीय योगी सेना की सराहनीय पहलः बिलसंडा गौशाला में गोवंशों को हरा चारा उपलब्ध कराया, सेवा भावना ने जीता सबका दिल

(जीएनएस)।

पीलीभीत, बिलसंडा। जिले में जीव रक्षा और गौसंरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्रीय योगी सेना ने एक बार फिर अपनी सेवाभावना का परिचय दिया। जिला कार्यकारी अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा के नेतृत्व में संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता मुकुल, अरुण, विवेक, आशीष और बलवीर ने बिलसंडा स्थित गौशाला पहुंचकर गोवंशों के लिए भरपूर हरा चारा उपलब्ध कराया। यह व्यवस्था गौशाला के सैकड़ों पशुओं की भोजन संबंधी जरूरतों को पूरा करने वाली है, जो संगठन की त्वरित और संवेदनशील प्रतिक्रिया को दशार्ती है।राष्ट्रीय योगी सेना ऐसा संगठन है जो जीव-जंतुओं की सेवा में सदैव तत्पर रहता है। रात हो या दिन, तेज धूप, मूसलाधार बारिश या कड़ाके की ठंड—कभी कोई बाधा इनके मार्ग में नहीं आती। जिले भर में गौ रक्षा का कार्य बड़ी मेहनत, लगन और समर्पण के साथ कर रहे इस संगठन ने अपना नाम रोशन कर लिया है। कार्यकारी अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा ने पत्रकारों से विशेष बातचीत में कहा, "हर व्यक्ति को जीव-जंतुओं के प्रति प्रेम और सेवा की भावना अपनानी चाहिए। यही भावना हमारे संगठन को जिले में एक सफल और कामयाब इकाई बना रही है। पूरा संगठन गौ रक्षा में बढ़-चढ़कर

योगदान देता है। जहां कहीं भी कोई कमी नजर आती है, वहां हम प्रशासन को ध्यानपूर्वक और समझदारी से अवगत कराते हैं, ताकि समस्याओं का शीघ्र समाधान हो सके।"इस पुण्य कार्य की नगर पालिका क्षेत्र और आसपास के ग्रामीण इलाकों के समाजसेवियों, गौभक्तों तथा स्थानीय निवासियों ने खुलकर सराहना की। उन्होंने संगठन के सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को धन्यवाद दिया तथा ऐसी सामाजिक सेवाओं को निरंतर जारी रखने का आग्रह किया। बीसलपुर पत्रकार रोहित मिश्रा व उमंग पाठक ने भी इस सहयोग के लिए हिमांशु मिश्रा व उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। संगठन की यह पहल न केवल गौ रक्षा को मजबूत कर रही है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का उदाहरण भी बन रही है।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था का 'स्केल' बदलने वाला साबित होगा बजट - वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश वर्मा कर्रा

(जीएनएस)।

बाराबंकी वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश वर्मा कर्रा ने वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा पेश किए गए बजट को 'दूरदर्शी' करार दिया और दावा किया यह प्रदेश की अर्थव्यवस्था का 'स्केल' बदलने वाला साबित होगा। बजट के लिए मुख्यमंत्री आदित्यनाथ और वित्त मंत्री सुरेश खन्ना की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह बजट प्रदेश को 'आत्मनिर्भर' बनाने के साथ ही सभी वर्ग का विकास करेगा, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों और महिला सुरक्षा का विशेष ध्यान दिया गया है।